बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

जनवरी 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 1–4

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 5–7

(C) भूकम्प सुरक्षा सप्ताह, 2021 का आयोजन 8–10

(D) सामुदायिक वॉलेन्टियर का 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11

(E) "सड़क सुरक्षा सप्ताह (01 से 07 फरवरी 2021)" तैयारी 12–13

(F) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 14–16

(G) शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों का संवेदीकरण कार्यक्रम 17–21

(H) संसाधन की उपलब्धता ही नहीं, जानकारी भी जरूरी 22–23

(I) Mass Messaging 24–25

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on15-21 January 2021 at Madhepura District

मासिक प्रतिवेदन (जनवरी, 2021)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 31 दिसम्बर 2020 तक 31 जिलों में कुल 13308 राजमिस्त्रियों एवं 32 जिलों में (मुख्यालय सहित) कुल 2437 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवन प्रशिक्षण दिया जो चुका है। प्रशिक्षण के इसी क्रम में:–

(1) दिनांक 05 से 08 जनवरी 2021 तक मधेपुरा जिले के 62 असैनिक अभियंताओं, दिनांक 06 से 09 जनवरी 2021 तक सहरसा जिले के 36 असैनिक अभियंताओं एवं दिनांक 13 से 16 जनवरी 2021 तक सुपौल जिले के 42 असैनिक अभियंताओं को भूकम्परोधी भवन निर्माण का चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

(2) दिनांक 07 से 13 जनवरी 2021 तक मधेपुरा जिला के 07 प्रखंडों में 208 राजमिस्त्रियों को एवं सहरसा जिला के सभी 10 प्रखंडों में 284 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन निर्माण के विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

(3) दिनांक 15 से 21 जनवरी 2021 तक मधेपुरा जिला के शेष 06 प्रखंडों में 180 राजमिस्त्रियों एवं सुपौल जिला के सभी 11 प्रखंडों में 328 राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रकार दिनांक 15 से 21 जनवरी 2021 तक कुल 178+328=506 राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन निर्माण को सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

(4) दिनांक 05 एवं 27 जनवरी 2021 को राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों को क्षमतावर्द्धन हेतु एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

(5) जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों के लिए प्राधिकरण द्वारा दिनांक 24 नवम्बर 2020 से Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। जनवरी 2021 में सम्पादित कार्यक्रमों का विवरणी अगले पृष्ठ पर दिया गया है।

दिसम्बर 2020 तक कुल 13308 राजमिस्त्री एवं 2437 असैनिक अभियंता प्रशिक्षित किये गये थे। इस प्रकार जनवरी 2021 तक कुल 13308**+388+284+328 = 14308 राजमिस्त्रियों** को एवं 2437**+62+36+42= 2577 असैनिक अभियंताओं** को प्रशिक्षित किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जनवरी 2021 में संचालित कार्यक्रमों का विवरण

अभियंताओं का प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स			
क्र.सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि/स्थान**	**प्रशिक्षित प्रतिभागी की संख्या**
1	अभियंताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण	05 से 08 जनवरी/मधेपुरा	62 अभियंताओं
2	अभियंताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण	06 से 09 जनवरी/सहरसा	36 अभियंताओं
3	अभियंताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण	13 से 16 जनवरी/सुपौल	42 अभियंताओं
4	राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण	07 से 13 (07 Blocks_210) & 15 से 21 (06 Blocks_178) जनवरी/मधेपुरा	388 राजमिस्त्रियों
5	राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण	07 से 13 जनवरी/सहरसा	284 राजमिस्त्रियों
6	राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण	15 से 21 जनवरी/सुपौल	328 राजमिस्त्रियों
7	Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स	01, 04, 06, 08, 11, 13, 15, 18 एवं 20 जनवरी को पटना से।	.....
8	रिफ्रेशर कोर्स	05 एवं 27 जनवरी को BSDMA, पटना में।	.....

मधेपुरा जिले के राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण			
क्र. सं.	**ब्लॉक का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि**	**प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या**
1	घैलाढ़	07 से 13 जनवरी 2021	30
2	ग्वालपाड़ा		28
3	बिहारीगंज		30
4	उदाकिशनगंज		30
5	आलमनगर		30
6	पुरैनी		30
7	चौसा		30
8	शंकरपुर	15 से 21 जनवरी 2021	30
9	कुमार खण्ड		30
10	मुरलीगंज		30
11	मधेपुरा सदर		30
12	ग्महरिया		30
13	सिंधेश्वर		30
		कुल	**388**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

सहरसा जिला में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण			
क्र. सं.	ब्लॉक का नाम	प्रशिक्षण तिथि	प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या
1	सोनवर्षा		29
2	बनमा इटहरी		19
3	सलखुआ		30
4	सिमरी बख्तियारपुर		30
5	पतरघट		30
6	सौर बाजार		30
7	कहरा		28
8	महिषी		28
9	नौहट्टा		30
10	सत्तर कटैया		30
		कुल	**284**

सुपौल जिला में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण			
क्र. सं.	ब्लॉक का नाम	प्रशिक्षण तिथि	प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या
1	बसंतपुर		30
2	राघोपुर		30
3	पिपरा		29
4	त्रिवेणीगंज		30
5	छातापुर		30
6	प्रतापगंज		30
7	सुपौल		30
8	किसनपुर		29
9	भपटियाही		30
10	निर्मली		30
11	मरौना		30
		कुल	**328**

Goto Meeting App के माध्यम से रिफ्रेशर कोर्स का विवरण				
क्र.सं.	तिथि	जिला का नाम	अभियंता प्रशिक्षक/रिर्सोस पर्सन	उपस्थित राजमिस्त्रियों की संख्या
1.	01 जनवरी 2021	गोपालगंज	सपना कुमारी	27
2.	04 जनवरी 2021	सिवान	अदिल खान	18
3.	06 जनवरी 2021	सारण	अदिल खान	41
4.	08 जनवरी 2021	नालंदा	वकार उल इस्लाम	07
5.	11 जनवरी 2021	पटना	वकार उल इस्लाम	17
6.	13 जनवरी 2021	भोजपुर	अभिनव कुमार	30
7.	15 जनवरी 2021	बक्सर	अभिनव कुमार	23
8.	18 जनवरी 2021	रोहतास	अभिनव कुमार	46
9.	20 जनवरी 2021	कैमूर	आशिष रंजन	39

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

1. दूरदर्शन बिहार पर "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के अंतर्गत "मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार" प्रत्येक शनिवार को प्रसारित किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन की वजह से शिक्षा विभाग/बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए दूरदर्शन बिहार चैनल पर "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के द्वारा बच्चों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इसी "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक शनिवार के दिन "मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार" का कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और यूनिसेफ की मदद से प्रसारित कार्यक्रम भी शामिल है।

शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में विभिन्न आपदाओं के बारे में (सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार) बच्चों को जानकारी दी जा रही है। "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" के अंतर्गत प्रसारित होने वाले इस सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में न केवल विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में सैद्धांतिक जानकारी दी जा रही है बल्कि राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) और अन्य के सहयोग से विभिन्न आपदाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी भी मॉकड्रिल तथा प्रदर्शन (demonstration) के माध्यम से दी जाती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चे जो कुछ भी सीखेंगे वह सभी के काम आने वाली जानकारी होगी। अतः बच्चों से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे उन जानकारियों को अपने परिवार में सभी के साथ चर्चा करेंगे और जानकारियां साझा करेंगे। इससे बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

सत्र पूरा होने पर बच्चों से कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं। उन्हें गृह कार्य भी दिया जाता है। इस प्रकार धीरे–धीरे सीखते–सीखते हम सब मिलकर अपने राज्य बिहार को आपदाओं से सुरक्षित राज्य बनाने में सफल होंगे।

"मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के तहत प्रत्येक शनिवार को आयोजित यह कार्यक्रम दिनांक 09 मई से लगातार प्रसारित हो रहा है। प्रसारण के पश्चात इसे यू–ट्यूब चैनल पर अपलोड भी कर दिया जाता है, ताकि विभिन्न प्रकार की आपदाओं के बारे में कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकें।

2. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार) के अंतर्गत सभी विद्यालयों के फोकल शिक्षकों का वेबिनार के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

वर्तमान समय में Covid–19 वैश्विक महामारी के कारण राज्य के सभी विद्यालय बंद हैं और नतीजतन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम भी विद्यालयों में नहीं चलाये जा सके। इस वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए दिनांक 24 नवम्बर से राज्य के सभी सरकारी/गैर–सरकारी/मदरसा बोर्ड/संस्कृत शिक्षा बोर्ड तथा अन्य विभागों के द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के एक–एक फोकल शिक्षकों का वेबिनार के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। फोकल शिक्षकों के तीन दिनों के पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को 13 सत्रों में ऑनलाइन विभाजित कर प्रत्येक फोकल शिक्षकों को 13 सत्रों का ऑनलाइन प्रशिक्षण कराया जा रहा है। दिनांक 24 नवम्बर से बांका जिले के फोकल शिक्षकों का 13 सत्रों का प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। भागलपुर और शेखपुरा जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण 04 दिसम्बर से प्रारम्भ किया गया। नालंदा जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण दिनांक 15 दिसंबर से प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात दरभंगा जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण दिनांक 24 दिसंबर से प्रारंभ हुआ।

जनवरी में फोकल शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रतिभागियों की संख्या इस प्रकार है।

जिला	सत्र सं.	दिनांक
दरभंगा विद्यालयों की कुल संख्या – 3021	11	01.01.2021
	12	01.01.2021
	13	04.01.2021

जिला	सत्र सं.	दिनांक
जमुई एवं लखीसराय विद्यालयों की कुल संख्या – 1915 + 960 = 2875	1	05.01.2021
	2	05.01.2021
	3	06.01.2021
	4	06.01.2021
	5	07.01.2021
	6	07.01.2021
	7	08.01.2021
	8	08.01.2021
	9	11.01.2021
	10	11.01.2021
	11	12.01.2021
	12	12.01.2021
	13	13.01.2021

	सत्र सं.	दिनांक
पूर्णियां जिले के विद्यालयों की कुल संख्या	1	14.01.2021
	2	14.01.2021
	3	15.01.2021

2798	4	15.01.2021
	5	18.01.2021
	6	18.01.2021
	7	19.01.2021
	8	19.01.2021
	9	20.01.2021
	10	20.01.2021
	11	21.01.2021
	12	21.01.2021
	13	22.01.2021

3. मदरसा के फोकल शिक्षकों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण पूर्व से चलाया जा रहा था, परंतु कोरोना वैश्विक महामारी के कारण यह प्रशिक्षण मार्च 2020 से बंद हो गया। पुनः यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 18 जनवरी, 2021 से प्रारंभ किया गया है। जनवरी माह में तीन प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। मदरसा बोर्ड के विद्यापति मार्ग स्थित कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण व शामिल प्रतिभागियों कि संख्या इस प्रकार हैः–

क्र. सं.	प्रशिक्षण तिथि	प्रतिभागियों कि संख्या
1	18 – 19 जनवरी	29
2	21 – 22 जनवरी	29
3	28 – 29 जनवरी	33

(C) भूकम्प सुरक्षा सप्ताह, 2021 का आयोजन

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह, 2021 (15–21 जनवरी) का आयोजन पूरे राज्य एवं जिलों में किया गया। इस दौरान राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 14.01.2021 को सभी जिलों के सभी संस्करणों के अखबारों (हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू) में भूकम्प सुरक्षा एवं सुरक्षित निर्माण से संबंधित सलाह (Advisory) का प्रकाशन किया गया।

दिनांक 15.01.2021 को भूकम्प सुरक्षा पर वर्चुअल वेबिनार आयोजित किये गये जिसमें सभी जिलों के कुल 550 जिला अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ–साथ राज्य स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री व्यास जी एवं सदस्य श्री पी.एन. राय ने संबोधित किया। प्राधिकरण के विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षित निर्माण से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया गया। एस.डी.आर.एफ. के द्वितीय कमान अधिकारी के द्वारा भूकम्प सुरक्षा से संबंधित वीडियो फिल्म भी दिखाया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

दिनांक 16.01.2021 को पूर्णियां जिले के शिक्षकों के लिए भूकम्प सुरक्षा पर आधारित वेबिनार का आयोजन किया गया। दिनांक 18.01.2021 को जिले के अमौर प्रखंड के 40 सामुदायिक वोलेन्टियर का 12 दिवसीय बहु आपदा प्रबंधन एवं जोखिम न्यूनीकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एस.डी.आर.एफ. बिहटा परिसर में प्रारंभ किया गया। दिनांक 19 जनवरी, 2021 को पटना स्थित महाविद्यालयों, यथा, पटना वीमेन्स कॉलेज, मगध महिला कॉलेज, कार्मस कॉलेज, ए.एन.कॉलेज में प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं लगभग एक हजार छात्रोां के बीच भूकम्प सुरक्षा संबंधी आई.ई.सी, डी.आर.आर. कैलेण्डर, भूकम्प सुरक्षा संबंधित मॉकड्रिल का पम्पलेट वितरित किया गया।

दिनांक 21.01.2021 का Patna Science College में भूकम्प सुरक्षा सप्ताह समापन के अवसर पर भूगर्भ शास्त्र विभाग के द्वारा सभी सेमेस्टर के छात्रों/छात्राओं के बीच भूकम्प सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सात छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। प्राधिकरण के द्वारा सभी सेमेस्टर के छात्रों/छात्राओं के बीच IEC सामग्री का वितरण किया गया।

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान पटना के विभिन्न प्रमुख स्थानों जैसे – पंत भवन, पटना वीमेन्स कॉलेज, विस्कोमान भवन, पटना जू, पटना साइंस कॉलेज, गांधी मैदान, रेलवे स्टेशन पटना, इको पार्क, एयरपोर्ट गोलम्बर और जू के गेट नं0– 01 पर भूकम्प सुरक्षा एवं सुरक्षित निर्माण संबंधित होर्डिंग्स लगाए गए।

जिला स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन मुजफ्फरपुर, खगड़िया, औरंगाबाद, गया, पूर्णियां, सीतामढ़ी आदि जिलों में हुए।

(D) सामुदायिक वॉलेन्टियर का 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 18.01.2021 से 30.01.2021 तक पूर्णियां जिले के अमौर प्रखंड के 40 सामुदायिक वॉलेन्टियर का बहु आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य आपदा मोचन बल, बिहटा में किया गया। यह प्रशिक्षण 60–80 प्रतिशत कौशल विकास एवं 20–40 प्रतिशत जन–जागरूकता पर आधारित है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाढ़ सुरक्षाः पूर्व, दौरान एवं बाद में, भूकम्प से सुरक्षा (सैद्धांतिक एवं मॉकड्रिल), आग से सुरक्षा (सैद्धांतिक एवं मॉकड्रिल), नाव दुर्घटना (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक), डूबने से होने वाली मौतें (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक), ठनका (वज्रपात), शीत लहर एवं लू (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक), वाहन दुर्घटना (सड़क/रेल) (सैद्धांतिक एवं रोल प्ले), जल, जीवन, हरियाली एवं स्वच्छता (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक), नशा मुक्ति, बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन, सर्पदंश प्रबंधन (सैद्धांतिक एवं रोल प्ले), जीवन रक्षा तकनीक एवं अस्पताल पूर्व चिकित्सा, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, स्थानीय उपचार एवं प्रीवेन्टिव हेल्थ (दस कदम) आदि का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण देने वालों में प्राधिकरण के परियोजना पदाधिकारीगण, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर. एफ., बिहार अग्निशाम सेवाएं के साथ विशेषज्ञ के रूप में नीनी के पूर्व प्राचार्य, कैप्टन सुमन्त सहाय, ए.डी.एम, सारण, डॉ0 गगन, श्री संतोष कुमार (संकल्प ज्योति,) और डॉ0 अजीत कुमार सिंह शामिल रहे।

प्रशिक्षण का अगला सत्र दिनांक 08.02.2021 से प्रारंभ होगा।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) "सड़क सुरक्षा सप्ताह (01 से 07 फरवरी 2021)" की तैयारी

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा **"राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 18 जनवरी से 17 फरवरी 2021"** तक मनाये जाने की घोषणा की गई। इस आलोक में प्रत्येक वर्ष की भांति बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 01 से 07 फरवरी तक **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021"** मनाये जाने का निर्णय लिया गया। इसके आलोक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021"** के दौरान सम्पन्न की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा के लिए श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में दिनांक 13 जनवरी 2021 को प्राधिकरण के सभागार में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि राज्यभर में ब्लैक स्पॉट्स की पहचान की जाये और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक उपायों के अनुपालन को सुनिश्चित किया जाय, साथ ही उन्होंने यह सलाह दिया कि अस्पतालों, विद्यालयों एवं अन्य प्रमुख स्थलों की पहचान कर वहां साइनेज लगाया जाय, ताकि लोग इन स्थानों पर गति को नियंत्रित कर ही वाहन चलायें। उन्होंने **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021"** के पूरे आयोजन में कोविड प्रोटोकॉल को सख्ती से पालन करने का सुझाव दिया। श्री पी0 एन0 राय, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि "सड़क सुरक्षा सप्ताह 2021" के दौरान नेशनल हाईवे पर हो रही अधिकाधिक सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु जन–जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार की आवश्यकता है। इस अवसर पर अपराध अनुसंधान विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार ने कहा कि

दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों को चिन्हित किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है।

सभी प्रतिभागियों द्वारा **"सड़क सुरक्षा सप्ताह 01–07 फरवरी 2021"** के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के बारे में विचार व्यक्त किये। सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे चिन्हित दुर्घटना प्रवण स्थलों पर गुड समैरिटन गाइडलाईन्स के बारे में जन–जागरूकता के उद्देश्य से लाइफ सपोर्ट सह गुड समैरिटन समूह का गठन, प्रमुख स्थानों पर सड़क सुरक्षा संबंधी होर्डिंग्स का डिस्प्ले, सड़क सुरक्षा विषय पर लघु विडियो क्लीप/जिंगल तैयार करना है। जिलों में गठित विभिन्न विभागों की अनुसंधान टीम द्वारा अवलोकन किया जाना है जिसमें चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स एवं दुर्घटना प्रवण क्षेत्रों का अवलोकन जिल स्तर पर संयुक्त रूप से गठित परिवहन विभाग, पथ निर्माण विभाग एवं अपराध अनुसंधान विभाग की जिला सड़क अनुसंधान टीमों द्वारा किया जायेगा।

सप्ताह के दौरान चिन्हित जिलों एवं नेशनल हाइवे पर स्थित थानों के पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य हितभागियों का सड़क सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार विषय पर ऑनलाईन संवेदीकरण किया जायेगा। कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से पटना, मुजफ्फपुर, सारण, पूर्वी चम्पारण एवं गया जिलों में कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए साईकिल जागरूकता रैली का आयोजन किया जायेगा। ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन/बिहार राज्य परिवहन मित्र कामगार संघ/ऑटो टेम्पों यूनियन आदि के सहयोग से पटना शहर सहित बिहार के कुल 30 जिलों में pamphlets एवं परिचर्चा के माध्यम से सड़क सुरक्षा एवं कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम हेतु प्रचार–प्रसार एवं मास्क का वितरण समेत अन्य गतिविधियों को सम्पादित किए जाने का निर्णय लिया गया। सप्ताह के दौरान विभिन्न समाचार पत्रों में सड़क सुरक्षा संबंधी advisory का प्रकाशन एवं Mobile Mass Messaging कर लोगों को सड़क सुरक्षा की जानकारी देने का भी निर्णय लिया गया।

(F) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

दिनांक 19.01.2021 को अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत पी.एच.इ.डी. विभाग के वरीय पदाधिकारियों, अभियंताओं एवं अन्य कर्मियों का अग्नि सुरक्षा विषय पर एक दिन का उन्मुखीकरण किया गया। इस दौरान डा उदयकांत मिश्र सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा आग लगने के संभावित स्थानों, उपकरणों एवं विद्युतीय कनेक्शन आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर खामियां पायी गई। विशेष रूप से बिजली के तारों का अव्यवस्थित होना, उचित अर्थिंग का अभाव, इलेक्ट्रिक पैनल का सार्वजनिक जगहों में लगा होना आदि खामियां देखी गयी। सीढ़ी के नीचे की लकड़ी के निर्माण को भी वहाँ से हटाने का निर्देश दिया गया। विभागीय सचिव ने सदस्य डा0 मिश्र को कई स्थानों पर इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट एवं उससे लगी आग का निशान भी दिखाया। डा0 मिश्र ने भवन के अवलोकन के बाद आयोजित बैठक में अग्नि सुरक्षा के बारे में प्रस्तुतीकरण एवं चलचित्र के माध्यम से विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। इस चर्चा में विशेष रूप से 16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के अन्तर्गत विभिन्न उपायों के बार में बिन्दुवार चर्चा की गई ताकि किसी भी भवन में आग लगने की घटना को रोकी जा सके।

सदस्य डा0 मिश्र, द्वारा सभी मौजूद अधिकारियों को आग न लगने देने के उपायों, आग लगने पर इसकी सूचना संबंधित व्यक्तियों तक पहुँचाने के लिए स्वचालित यंत्र स्थापित करने एवं अग्निशमन उपकरणों जैसे फायर बॉल, स्प्रींकलर के बारे में विस्तार से जानकारी दिया।

उन्होंने भवन में एसेम्बली प्लेस, जहाँ लोग आग लगने की स्थिति में सुरक्षित इकट्ठा हो सकें को चिन्हित करने का निर्देश दिया एवं निकास चिन्ह को दर्शाने का सुझाव दिया। बैठक में इलेक्ट्रिक लोडिंग की क्षमता के अनुसार तारों एवं उपकरणों को लगाने एवं इलेक्ट्रिक पोल, ट्रांसफार्मर, जेनरेटर से लेकर अंदर कमरों तक सभी इलेक्ट्रिक उपकरणों एवं तारों की क्षमता एवं गुणवता की जांच कर आवश्यकतानुसार उसे बदलने एवं व्यवस्थित करने पर बल दिया।

विदित हो कि आग लगने की घटनाओं में इलेक्ट्रिक शॉट शर्किट एक प्रमुख वजह रहा है। इस बैठक में विभागीय सचिव के अलावा, संयुक्त सचिव, भवन निर्माण विभाग, प्रमुख अभियन्ता सह विशेष सचिव, पी.एच.इ.डी., मुख्य अभियन्ता, विद्युत भवन निर्माण विभाग, कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत भवन निर्माण विभाग एवं अन्य की उपस्थिति रही।

दिनांक 29.01.2021 को सदस्य, डा0 मिश्र के कार्यालय कक्ष में बुडको (BUIDCO) द्वारा पाटलिपुत्र बस स्टैंड के निर्माण में अग्नि सुरक्षा से संबंधित उपाय करने के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में बस स्टैंड में संस्थागत ढांचा एवं मानचित्र को समझते हुए उसमें अग्नि सुरक्षा संबंधी किये जा रहे उपायों एवं अन्य उपायों को शामिल करने के संदर्भ में विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक के अलावा निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं पर दिशा निर्देश दिया।

- बस स्टैंड परिसर में दो से ज्यादा निकास रास्तों की व्यवस्था करना है। वर्तमान में दोनों निकास एक ही सड़क पर एक ही दिशा में है।
- आपातकालीन निकास की समुचित व्यवस्था करना
- अधिक भीड़–भाड़ वाले जगह की पहचान करना एवं वैसे जगहों पर अग्नि सुरक्षा की उचित व्यवस्था करना।
- नियंत्रण कक्ष की स्थापना करना।
- तापमान, धुंआ एवं आग के लिए सूचना तंत्र/अलार्म सिस्टम स्थापित करना।

- विद्युतीय भार का आकलन कर उचित गुणवता एवं क्षमता वाले एम.सी.बी. आदि उपकरण पर्याप्त संख्या में लगाना।
- फायर टेंडर भवन के सभी स्थानों तक मूवमेंट के लिए पर्याप्त रास्ता सुनिश्चित करना।
- फायर रिस्पांस प्लान बनाना, लोगों की भूमिका का निर्धारण कर उन्हें इससे अवगत कराना एवं उनका क्षमतावर्धन करना।
- बस स्टैंड परिसर में दो फायर टेंडर हमेशा उपलब्ध रखना एवं पर्याप्त संख्या में फायर हाइड्रेंट लगाना।

उपर्युक्त उपायों को पाटलिपुत्रा बस स्टैंड के भवन प्लान में शामिल कर अगली बैठक में इन विंदुओं पर प्रस्तुति करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यपालक अभियन्ता, बुडको एवं अन्य प्रतिनिधियों के साथ–साथ एम.डी. बुडको की विशेष उपस्थिति रही।

(G) शहरी स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों का संवेदीकरण कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों का दिनांक 05 जनवरी 2021 से 13 जनवरी 2021 तक सड़क दुर्घटना एवं आवारा पशु तथा शव निपटान प्रबंधन'' विषय पर वेबीनार के माध्यम से संवेदीकरण का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में महापौर, उप–महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वार्ड पार्षद, नगर आयुक्त, उप–नगर आयुक्त, कार्यपालक पदाधिकरी, नगर प्रबंधक व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। इस संवेदीकरण कार्यक्रम में सड़क दुर्घटना के कारणों एवं बचाव के उपाय एवं सड़क दुर्घटना में घायलों को कैसे प्राथमिक चिकित्सा दी जाय के बारे में जानकारी दी गई। शहरी क्षेत्रों में आवारा पशु तथा शव निपटान प्रबंधन के बारे में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से चर्चा हुई। इस वेबिनार संवेदीकरण कार्यक्रम में कुल 730 जन प्रतिनिधि शामिल हुए। यह संवेदीकरण कार्यक्रम विभिन्न तिथियों में नगर निकायवार आयोजित किये गए जो इस प्रकार है:–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

क्र0 सं0	दिनांक	जिला	प्रतिभागी नगर निकाय
1	05.01.2021	पटना	पटना नगर निगम
		नालंदा	बिहारशरीफ नगर निगम
		भोजपुर	आरा नगर निगम
		गया	गया नगर निगम
		भागलपुर	भागलपुर नगर निगम
		मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर नगर निगम
		दरभंगा	दरभंगा नगर निगम
		मुंगेर	मुंगेर नगर निगम
		बेगूसराय	बेगूसराय नगर निगम
		पूर्णियां	पूर्णियां नगर निगम
		कटिहार	कटिहार नगर निगम
		सारण	छपरा नगर निगम
2	06.01.2021	पटना	नगर परिषद, बाढ़
			नगर परिषद, खगौल
			नगर परिषद, दानापुर
			नगर परिषद, मोकामा
			नगर परिषद, मसौढ़ी
			नगर परिषद, फुलवारी शरीफ
			नगर परिषद, बख्तियारपुर
			नगर परिषद, फतुहा
		बक्सर	नगर परिषद, बक्सर
			नगर परिषद, डुमरांव
		रोहतास	नगर परिषद, सासाराम
			नगर परिषद, डेहरी डालमिया नगर
			नगर परिषद, विक्रमगंज
		कैमूर	नगर परिषद, भभुआ
		नालंदा	नगर परिषद, हिलसा
		जहानाबाद	नगर परिषद, जहानाबाद
		अरवल	नगर परिषद, अरवल
		औरंगाबाद	नगर परिषद, औरंगाबाद
			नगर परिषद, दाउदनगर
		नवादा	नगर परिषद, नवादा
3	07.01.2021	सीतामढ़ी	नगर परिषद, सीतामढ़ी
		वैशाली	नगर परिषद, हाजीपुर
			नगर परिषद, महनार

		पूर्वी चम्पारण	नगर परिषद, मोतिहारी
			नगर परिषद, रक्सौल
			नगर परिषद, ढ़ाका
		प0 चम्पारण	नगर परिषद, बेतिया
			नगर परिषद, बगहा
			नगर परिषद, नरकटियागंज
		दरभंगा	नगर परिषद, बेनीपुर
		मधुबनी	नगर परिषद, मधुबनी
		समस्तीपुर	नगर परिषद, समस्तीपुर
		भागलपुर	नगर परिषद, सुल्तानगंज
		बांका	नगर परिषद, बांका
		मुंगेर	नगर परिषद, जमालपुर
		लखीसराय	नगर परिषद, लखीसराय
		शेखपुरा	नगर परिषद, शेखपुरा
			नगर परिषद, बरबीघा
		जमुई	नगर परिषद, जमुई
4	08.01.2021	खगड़िया	नगर परिषद, खगड़िया
		बेगूसराय	नगर परिषद, बीहट
		सिवान	नगर परिषद, सीवान
		गोपालगंज	नगर परिषद, गोपालगंज
		सहरसा	नगर परिषद, सहरसा
		मधेपुरा	नगर परिषद, मधेपुरा
		सुपौल	नगर परिषद, सुपौल
		अररिया	नगर परिषद, अररिया
			नगर परिषद, फारबिसगंज
		किशनगंज	नगर परिषद, किशनगंज
		पटना	नगर पंचायत, मनेर
			नगर पंचायत, खुसरूपुर
			नगर पंचायत, विक्रम
			नगर पंचायत, नौबतपूर
		भोजपुर	नगर पंचायत, पीरो
			नगर पंचायत, बिहियाँ
			नगर पंचायत, जगदीशपुर
			नगर पंचायत, कोईलवर
			नगर पंचायत, शाहपुर
		रोहतास	नगर पंचायत, कोआथ
			नगर पंचायत, नोखा
			नगर पंचायत, नासरीगंज
			नगर पंचायत, कोचस

		कैमूर	नगर पंचायत, मोहनियां
		नालंदा	नगर पंचायत, इस्लामपुर
			नगर पंचायत, सिलाव
			नगर पंचायत, राजगीर
5	12.01.2021	गया	नगर पंचायत, बोधगया
			नगर पंचायत, शेरघाटी
			नगर पंचायत, टेकारी
		जहानाबाद	नगर पंचायत, मखदुमपुर
		औरंगाबाद	नगर पंचायत, रफीगंज
			नगर पंचायत, नवीनगर
		नवादा	नगर पंचायत, वारसलीगंज
			नगर पंचायत, हिसुआ
		भागलपुर	नगर पंचायत, नवगछिया
			नगर पंचायत, कहलगाँव
		बांका	नगर पंचायत, अमरपुर
		सीतामढ़ी	नगर पंचायत, बैरगनिया
			नगर पंचायत, बेलसंड
			नगर पंचायत, डुमरा
			नगर पंचायत, जनकपुर रोड
			नगर पंचायत, सुरसंड
		मुजफ्फरपुर	नगर पंचायत, मोतीपुर
			नगर पंचायत, कांटी
			नगर पंचायत, साहेबगंज
		वैशाली	नगर पंचायत, लालगंज
			नगर पंचायत, महुआ
		शिवहर	नगर पंचायत, शिवहर
		पूर्वी चम्पारण	नगर पंचायत, चकिया
			नगर पंचायत, सुगौली
			नगर पंचायत, अरेराज
			नगर पंचायत, केसरिया
			नगर पंचायत, पकड़ीदयाल
			नगर पंचायत, मेहसी
		प0 चम्पारण	नगर पंचायत, चनपटिया
			नगर पंचायत, रामनगर
		मधुबनी	नगर पंचायत, जयनगर
			नगर पंचायत, झंझारपुर
			नगर पंचायत, घोघरडीहा
		समस्तीपुर	नगर पंचायत, दलसिंहसराय
			नगर पंचायत, रोसड़ा

6	13.01.2021	मुंगेर	नगर पंचायत, हवेली खड़गपुर
		लखीसराय	नगर पंचायत, बड़हिया
		जमुई	नगर पंचायत, झाझा
		खगड़िया	नगर पंचायत, गोगरी जमालपुर
		बेगूसराय	नगर पंचायत, बखरी
			नगर पंचायत, तेघड़ा
			नगर पंचायत, बलिया
		सारण	नगर पंचायत, सोनपुर
			नगर पंचायत, दिघवारा
			नगर पंचायत, मढ़ौरा
			नगर पंचायत, रिविलगंज
			नगर पंचायत, एकमा बाजार
			नगर पंचायत, परसा बाजार
		सिवान	नगर पंचायत, महाराजगंज
			नगर पंचायत, मैरवा
		गोपालगंज	नगर पंचायत, मीरगंज
			नगर पंचायत, बरौली
			नगर पंचायत, कटैया
		सुपौल	नगर पंचायत, बीरपुर
			नगर पंचायत, निर्मली
		मधेपुरा	नगर पंचायत, मुरलीगंज
		सहरसा	नगर पंचायत, सिमरी बख्तियारपुर
		पूर्णियां	नगर पंचायत, कसवा
			नगर पंचायत, बनमनखी
		अररिया	नगर पंचायत, जोगवनी
		किशनगंज	नगर पंचायत, बहादुरगंज
			नगर पंचायत, ठाकुरगंज
		कटिहार	नगर पंचायत, मनिहारी
			नगर पंचायत, बारसोई

(H) संसाधन की उपलब्धता ही नहीं, जानकारी भी जरूरी

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है। आपदाओं से निपटने के लिए राज्य सरकार ने जिला स्तर पर आवश्यकतानुसार संसाधन मुहैया कराती है, लेकिन संसाधन के उपयोग के लिए सामग्री जहां है उसकी जानकारी भी बहुत आवश्यक है ताकि आपदा की घड़ी में बिना समय गवाएं संसाधन उपलब्ध हो और इसका आवश्यकतानुसार उपयोग हो सके।

इसके मद्देनजर Bihar State Disaster Resource Network BSDRN एक वेब आधारित प्लेटफार्म तैयार किया गया है। यह प्लेटफार्म विभिन्न उपकरणों, प्रशिक्षित मानवीय संसाधनों एवं अत्यावश्यक सामग्रियों की जानकारी आपदा रिस्पांस के लिए उपलब्ध कराता है। इसका प्रमुख उद्देश्य आपदा के समय उपयोग होने वाले उपकरणों एवं मानव संसाधनों आदि के विषय में सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि बिना समय गवाए आपदा का सामना किया जा सके। इसके माध्यम से विभिन्न जिलों में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियों का अनुमान भी लगाया जा सकेगा। इसके माध्यम से आपदा के वक्त (Golden Hour) में लोगों तक प्रभावी रिस्पांस एवं राहत पहुंचा कर उनकी जान बचायी जा सकेगी।

BSDRN की स्थापना का उद्देश्य एक ऐसा राज्य स्तरीय Data Base तैयार करना है जो किसी आकस्मिक या आपदा के प्रबंधन के समय विभिन्न हितभागियों एवं प्रशासन को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्रदान करेगा। यह जानकारी सभी आपदा प्रबंधकों को विभिन्न स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। BSDRN को उपकरण और कुशल मानव संसाधनों की एक व्यवस्थित सूची बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है ताकि आपदा प्रबंधकों को तत्काल और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए संसाधनों का विस्तृत विवरण और उसकी उपलब्धता के बारे में जानकारी मिल सके।

आपदाओं का जवाब देने की चुनौतियांः–

1. पेशेवर तरीके से आपदाओं का जवाब देने में प्रमुख चुनौतियों में से एक संसाधनों की व्यवस्थित सूची की कमी है, जैसे बचाव उपकरण और कुशल मानव संसाधननों की उपलब्धता इत्यादि।
2. संसाधनों की सूची का अभाव प्रभावी और तेजी से प्रतिक्रिया में देरी करता है, यह घातक हो सकता है।

BSDRN पोर्टल में जनवरी तक कुल 7054 डेटा की इंट्री विभिन्न विभागों, विभिन्न जिलों तथा निजी संस्थानों के द्वारा की गई।

3. इस पोर्टल पर कुल छः प्रकार की Category बनाई गयी है सभी Categories में अलग–अलग अंकित संसाधनों की संख्या है। इस केटोगरी पर क्लीक करते ही सम्पूर्ण ब्योरा प्राप्त हो जाता है। इससे आपदा से निपटने में जुटी ऐजेंसियों को पता चलता है कि कहां कौन सामग्री उपलब्ध है।

अब तक संधारित आंकड़ों के अनुसार
7831 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण आदि उपलब्ध हैं।

खोज एवं बचाव उपकरण :–2859
कुशल जनशक्ति :–2927
परिवहन :–147
खाद्य और जल जलस्त्रोत :–264
सुरक्षा और आश्रेयः– 1470
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :– 164
कुल संख्या :– 7831

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(I) Mass Messaging

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहां सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ का प्रकोप झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात इत्यादि आपदाओं से भी राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें एसएमएस के माध्यम से लोगों को बताया जाता है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी–(148890), आशा कार्यकर्ता (77542), आगनबाड़ी सेविका (45946) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंता एवं राजमिस्त्रियों में उपस्थित अन्य (लगभग 36 लाख नंबर) पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर नियमित मास मैसेजिंग (सामूहिक संदेश संप्रेषण) किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। जिसका उपयोग न केवल Early Warning तक सीमित है बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। जनवरी माह में अब तक कुल 8389536+1162281 +1074182= 10,625,999 Mass Message निम्नलिखित विषयों पर भेजा जा चुका है।

- **सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय**
- **शीत लहर से कैसे बचेंद्व?**
- **ठंड से बचने के उपाय**
- **सुरक्षित भवन निर्मान संबंधी जानकारी**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जनहित में जारी

सड़क दुर्घटना से बचने के उपाय

सड़क पार करते समय हमेशा दायें और बायें देख कर पार करें।
सड़क पर चलते समय या सड़क पार करते समय कान में इयरफोन लगा कर न चलें।
दुपहिया वाहन चालक और उनके पीछे बैठने वाली सवारी हमेशा हेलमेट पहन कर चलें।
हमेशा सीट बेल्ट बांध कर गाड़ी चलायें।
वाहन सवार एवं पैदल यात्री एम्बुलेंस के जाने के लिए रास्ता छोड़ें ।
गाड़ी चलाते समय सेल्फी न लें।

शीतलहर से कैसे बचें

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़े पहनकर ही निकलें।
सिर, चेहरा, हाथ एवं पैर को भी ठीक तरह से ढक लें।
शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।
शीतलहर के दौरान बच्चे व वृद्ध घर से बाहर कम निकलें।
उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा हृदय रोगी चिकित्सीय सलाह जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।
विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श लें।
समाचार पत्र/रेडियो/टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें।

ठंड से बचने के उपायः–

बाहर जाना हो तो समुचित गर्म कपड़े पहन कर ही निकलें।
सिर, हाथ एवं पैर ठीक तरह से ढक लें।
शरीर का तापमान ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।
उच्च रक्तचाप, मधुमेह के मरीज तथा हृदय रोगी चिकित्सक की सलाह जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप होने पर ही घर से बाहर निकलें।
विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल से चिकित्सीय परामर्श लें।

सुरक्षित भवन निर्माण संबंधी संदेश

भवन का नीव निर्माण सदा ठोस मिट्टी परत पर होना चाहिए।
भवन निर्माण सामग्री साफ और ताजा हो
गिट्टी में 20 मिमी से 6 मिमी तक सभी साईज मिला रहना चाहिए।
बालू के मोटे व महीन दाने का उपयोग करें।